बागवानी फसल में माहवार किये जाने वाले कार्य

माह – जनवरी **प्रथम वर्ष** **मेट का नाम –**

ग्राम का नाम : **ग्राम पंचायत –** **जॉबकार्ड धारी का नाम –** **समूह का नाम –**

रोपित पौधो की संख्या –

कं.	कृषिगत कार्य	दिनांक																														रिमार्क
		1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	
1.	सिंचाई (5–7 दिन के अंतराल में)																																
2.	बौर की तुडाई																																
3.	ग्राफ्ट के नीचे कल्ले की कटाई																																
4.	निदाई गुडाई																																
5.	दीमक नियंत्रण																																
6.	कीट नियंत्रण																																
7.	बीमारी नियंत्रण																																
8.	मल्च का उपयोग																																

माह में जीवित पौधों की संख्या –

आम : पावडरी मिल्डयु सल्फर 80 प्रतिशत डब्लू पी 3 ग्राम/लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।
फुदका – फास्फोमिडान – 2 मि.ली./लीटर पानी में मिलाकर छिडकाव करें।
इमिडाडाक्लोमिड – 1 मि.ली./ लीटर पानी में मिलाकर छिडकाव करें।
दीमक – क्लोरोपायरीफांस – 5 मि.ली. स्प्रे / बेसिन में घोल बनाकर डालना
अमरूद / जामुन – उपरोक्तानुसार

समूह अध्यक्ष के हस्ताक्षर **रोजगार सहायक के हस्ताक्षर**

बागवानी फसल में माहवार किये जाने वाले कार्य

माह – फरवरी **मेट का नाम –**

ग्राम का नाम : **ग्राम पंचायत –** **जॉबकार्ड धारी का नाम –** **समूह का नाम –**

रोपित पौधो की संख्या –

क्रं.	कृषिगत कार्य	दिनांक																													रिमार्क
		1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	
1.	सिंचाई (5–7 दिन के अंतराल में)																														
2.	ग्राफ्ट के नीचे कल्ले की कटाई																														
3.	निदाई गुडाई																														
4.	दीमक नियंत्रण																														
5.	कीट नियंत्रण																														
6.	बीमारी नियंत्रण																														
7.	मल्च का उपयोग																														
8.	बोर्डोपेस्ट लगाना																														

माह में जीवित पौधों की संख्या –

विशेष :–

1. छाल / तना छेदक होने पर – डाइक्लोरोवास (डी.डी.वी.पी.) 10 मि.लि./लीटर पानी का घोल / सुई के सहायता से छेद में डाले व छेद को मिट्टी से बंद कर दें या पेट्रोल, मिट्टी तेल का भी उपयोग किया जा सकता है।
2. 30–45 से.मी. तने के उपर बोर्डो पेस्ट लगाऐं।
3. अमरूद में सफेद मख्खी होने पर पीला कार्ड / धातु के शीट में ग्रीस या चिपकने वाले पदार्थ लगाकर टांगे।

समूह अध्यक्ष के हस्ताक्षर **रोजगार सहायक के हस्ताक्षर**

बागवानी फसल में माहवार किये जाने वाले कार्य

माह – मार्च **मेट का नाम –**

ग्राम का नाम : **ग्राम पंचायत –** **जॉबकार्ड धारी का नाम –** **समूह का नाम –**

रोपित पौधो की संख्या –

क्रं.	कृषिगत कार्य	दिनांक																														रिमार्क
		1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	
1.	सिंचाई (5–7 दिन के अंतराल में)																																
2.	ग्राफ्ट के नीचे कल्ले की कटाई																																
3.	निदाई गुडाई																																
4.	दीमक नियंत्रण																																
5.	कीट नियंत्रण																																
6.	बीमारी नियंत्रण																																
7.	मल्च का उपयोग																																
8.	खाद डालना																																

माह में जीवित पौधों की संख्या –

विशेष :–

1. खाद की मात्रा प्रति पौधा / गड्डा

युरिया – 50 ग्राम

एस.एस.पी.– 125 ग्राम

एम.ओ.पी.– 40 ग्राम

2. खाद का उपयोग पौधे से 6 इंच दूर रिंग में करे।

3. खाद डालने के बाद तुरंत सिंचाई करें।

समूह अध्यक्ष के हस्ताक्षर **रोजगार सहायक के हस्ताक्षर**

बागवानी फसल में माहवार किये जाने वाले कार्य

माह – अप्रैल **मेट का नाम –**

ग्राम का नाम : **ग्राम पंचायत –** **जॉबकार्ड धारी का नाम –** **समूह का नाम –**

रोपित पौधो की संख्या –

क्रं.	कृषिगत कार्य	दिनांक																														रिमार्क
		1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	
1.	सिंचाई (5–7 दिन के अंतराल में)																																
2.	कल्ले की कटाई																																
3.	निदाई गुडाई																																
4.	दीमक नियंत्रण																																
5.	कीट नियंत्रण																																
6.	बीमारी नियंत्रण																																
7.	मल्च का उपयोग																																

माह में जीवित पौधों की संख्या –

विशेष :–

1. अमरूद में निलीबग और सफेद मख्खी होने पर एसीफेट 1 ग्राम / लीटर या डाइक्लोवॉश – 1 मि.ली./लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।

समूह अध्यक्ष के हस्ताक्षर **रोजगार सहायक के हस्ताक्षर**

बागवानी फसल में माहवार किये जाने वाले कार्य

माह – मई **मेट का नाम –**

ग्राम का नाम : **ग्राम पंचायत –** **जॉबकार्ड धारी का नाम –** **समूह का नाम –**

रोपित पौधो की संख्या –

क्रं.	कृषिगत कार्य	दिनांक																													रिमार्क
		1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	
1.	सिंचाई (5–7 दिन के अंतराल में)																															
2.	कल्ले की कटाई																															
3.	निदाई गुडाई																															
4.	दीमक नियंत्रण																															
5.	कीट नियंत्रण																															
6.	बीमारी नियंत्रण																															
7.	मल्च का उपयोग																															
8.	ग्रीष्म कालीन जुताई																															

माह में जीवित पौधों की संख्या –

विशेष :–

1. खेत खाली हो तो ग्रीष्मकालीन जुताई किया जा सकता है।

समूह अध्यक्ष के हस्ताक्षर **रोजगार सहायक के हस्ताक्षर**

बागवानी फसल में माहवार किये जाने वाले कार्य

माह – जून **मेट का नाम –**

ग्राम का नाम : **ग्राम पंचायत –** **जॉबकार्ड धारी का नाम –** **समूह का नाम –**

रोपित पौधो की संख्या –

क्रं.	कृषिगत कार्य	दिनांक																														रिमार्क
		1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	
1.	सिंचाई (5–7 दिन के अंतराल में)																																
2.	कल्ले की कटाई																																
3.	निदाई गुडाई																																
4.	दीमक नियंत्रण																																
5.	कीट नियंत्रण																																
6.	बीमारी नियंत्रण																																
7.	मल्च का उपयोग																																
8.	खाद डालना																																

माह में जीवित पौधों की संख्या –

विशेष :–

1. खाद की मात्रा प्रति पौधा / गड्डा
   युरिया – 50 ग्राम
   एस.एस.पी. – 125 ग्राम
   एम.ओ.पी.– 40 ग्राम
2. खाद पौधे से 6 ईंच दूर रिंग में देवें।
3. खाद देने के बाद सिंचाई अवश्य करें।

समूह अध्यक्ष के हस्ताक्षर **रोजगार सहायक के हस्ताक्षर**

बागवानी फसल में माहवार किये जाने वाले कार्य

माह – जुलाई **मेट का नाम –**

ग्राम का नाम : **ग्राम पंचायत –** **जॉबकार्ड धारी का नाम –** **समूह का नाम –**

रोपित पौधो की संख्या –

कं.	कृषिगत कार्य	दिनांक																														रिमार्क
		1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	
1.	निदाई गुडाई																																
2.	कल्ले की कटाई																																
3.	अधिक पानी निकासी																																
4.	दीमक नियंत्रण																																
5.	कीट नियंत्रण																																
6.	बीमारी नियंत्रण																																
7.	मल्च का प्रयोग																																
8.	स्टेक लगसए																																
9.	गैप फिलिंग करें																																

माह में जीवित पौधों की संख्या –

विशेष :–

1. मृत पौधे को पुनः लगाये।
2. पौधों में स्टेकिंग ठीक करें।

समूह अध्यक्ष के हस्ताक्षर **रोजगार सहायक के हस्ताक्षर**

बागवानी फसल में माहवार किये जाने वाले कार्य

माह – अगस्त **मेट का नाम –**

ग्राम का नाम : **ग्राम पंचायत –** **जॉबकार्ड धारी का नाम –** **समूह का नाम –**

रोपित पौधो की संख्या –

क्रं.	कृषिगत कार्य	दिनांक																														रिमार्क
		1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	
1.	निदाई गुडाई																																
2.	कल्ले की कटाई (ग्राफ्ट के बीचे)																																
3.	अधिक पानी निकासी																																
4.	दीमक नियंत्रण																																
5.	कीट नियंत्रण																																
6.	बीमारी नियंत्रण																																
7.	मल्च पका प्रयोग																																
8.	गैप फिलिंग करें																																

माह में जीवित पौधों की संख्या –

विशेष :–

1. नये कल्ले के पत्तियों में पत्ती खाने वाले कीट होने पर क्वीनालफांस 2 मि.ली./लि. पानी में घोल बनाकर छिडकाव करें।
2. अमरूद में मुरझान नामक रोग हो सकता है। पानी निकासी का उचित प्रबंध करें।
3. अमरूद में 50–70 से.मी. उंचाई तक बाजू में लगने वाले बड़वार तोड़ दें।
4. ज्यादा बारिश के कारण बिमारी होने पर कापर आक्सी क्लोराइड 3 ग्राम/लि. पानी में घोल बनाकर छिडकाव करें।

समूह अध्यक्ष के हस्ताक्षर **रोजगार सहायक के हस्ताक्षर**

बागवानी फसल में माहवार किये जाने वाले कार्य

माह – सितंबर **मेट का नाम –**

ग्राम का नाम : **ग्राम पंचायत –** **जॉबकार्ड धारी का नाम –** **समूह का नाम –**

रोपित पौधो की संख्या –

क्रं.	कृषिगत कार्य	दिनांक																													रिमार्क
		1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	
1.	निदाई गुडाई																															
2.	कल्ले की कटाई																															
3.	दीमक नियंत्रण																															
4.	कीट नियंत्रण																															
5.	बीमारी नियंत्रण																															
6.	सूक्ष्म तत्व डालना																															
7.	खाद डालना																															

माह में जीवित पौधों की संख्या –

विशेष :–

1. खादा की मात्रा :– युरिया – 50 ग्राम, एस.एस.पी.–125 ग्राम, एम.ओ.पी.–40 ग्राम। खाद डालने के बाद पानी अवश्य ही डालें। खाद पौधे से 6 ईंच की दूरी में डालें।
2. सूक्ष्म तत्व की कमी होने पर – मल्टीफ्लेक्स 5 ग्राम / लीटर या 2 ग्राम जिंग सल्फेट + 2 ग्राम मैगनिशियम सल्फेट + 5 ग्राम चुना / लीटर पानी में डालकर किसी भी कीटनाशक के साथ छिड़काव कर 15 दिन बाद पुनः करें।
3. पत्ते में उभार – नए पत्ती में होने पर फास्कोमिडान 1.5 मिली./लीटर पानी में घोल बनाकर छिडकाव करें।

समूह अध्यक्ष के हस्ताक्षर **रोजगार सहायक के हस्ताक्षर**

बागवानी फसल में माहवार किये जाने वाले कार्य

माह – अक्टूबर **मेट का नाम –**

ग्राम का नाम : **ग्राम पंचायत –** **जॉबकार्ड धारी का नाम –** **समूह का नाम –**

रोपित पौधो की संख्या –

क्रं.	कृषिगत कार्य	दिनांक																														रिमार्क
		1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	
1.	सिंचाई (15–20 दिन अंतराल में)																																
2.	निदाई गुडाई																																
3.	कल्ले की कटाई																																
4.	दीमक नियंत्रण																																
5.	कीट नियंत्रण																																
6.	बीमारी नियंत्रण																																
7.	गैप फिलिंग																																

माह में जीवित पौधों की संख्या –

विशेष :–

1. मृत पौधों का पुनः रोपण करें।
2. सिंचाई – 15 से 20 दिन के अंतराल में करें।

समूह अध्यक्ष के हस्ताक्षर **रोजगार सहायक के हस्ताक्षर**

बागवानी फसल में माहवार किये जाने वाले कार्य

माह – नवम्बर **मेट का नाम –**

ग्राम का नाम : **ग्राम पंचायत –** **जॉबकार्ड धारी का नाम –** **समूह का नाम –**

रोपित पौधो की संख्या –

क्रं.	कृषिगत कार्य	दिनांक																													रिमार्क
		1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	
1.	सिंचाई (15–20 दिन अंतराल में)																															
2.	अनावश्यक पौध बड़वार काटना																															
3.	बेसिन ठीक करना																															
4.	निदाई गुडाई																															
5.	दीमक नियंत्रण																															
6.	कीट नियंत्रण																															
7.	बीमारी नियंत्रण																															
8.	मल्चींग का उपयोग																															

माह में जीवित पौधों की संख्या –

विशेष :–

1. आम में ग्राफ्ट के नीचे व अमरूद में 60 से 70 से.मी. उंचाई में पौध बड़वार काटें।
2. सफेद मख्खी लगने पर एसीफेट 1 ग्राम / लीटर या डायक्लोरोवास – 1 मि.ली./लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।

समूह अध्यक्ष के हस्ताक्षर **रोजगार सहायक के हस्ताक्षर**

बागवानी फसल में माहवार किये जाने वाले कार्य

माह – दिसम्बर **मेट का नाम –**

ग्राम का नाम : **ग्राम पंचायत –** **जॉबकार्ड धारी का नाम –** **समूह का नाम –**

रोपित पौधो की संख्या –

क्रं.	कृषिगत कार्य	दिनांक																														रिमार्क
		1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	
1.	सिंचाई (15–20 दिन अंतराल में)																																
2.	बौर की तुडाई																																
3.	खाद डालना																																
4.	निदाई गुडाई																																
5.	दीमक नियंत्रण																																
6.	कीट नियंत्रण																																
7.	बीमारी नियंत्रण																																

माह में जीवित पौधों की संख्या –

विशेष :–

1. आम में बौर आने पर तोड़ दें।
2. खाद–युरिया – 50 ग्राम, एस.एस.पी.–125 ग्राम, एम.ओ.पी–40 ग्राम प्रति पौधा। खाद 6 ईंच दूर डाले व पानी चलायें।
3. आम में पावडरी सिल्ड्यु होने पर सल्फेक्स 80 प्रतिशत डब्लू पी – 3 ग्राम + फास्फोमिडान 2 मि.ली. / लीटर पानी में मिलाकर छिडकाव करें।
4. अमरूद में फास्फोरस की कमी होने पर पौंधो में लगातार सिंचाई करें व 0.5 प्रतिशत डी.ए.पी. घोल बनाकर छिड़काव करें।

समूह अध्यक्ष के हस्ताक्षर **रोजगार सहायक के हस्ताक्षर**